समाजवाद एवं साम्यवाद

Set-1

A

Chapter -2

HISTORY

Top 5

Short Questions

Total Objective Questions in Set= 5

xxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxx

1. रूसी क्रांति के किन्हीं दो कारणों को लिखें।

उत्तर-

1917 ई० की रूसी क्रांति के दो महत्त्वपूर्ण कारण निम्नलिखित थे-

I. जार की निरंकुशता एवं अयोग्य शासन-

जार निकोलस,जिसके शासन काल में क्राति हुई। राजा के दैवी अधिकारों में विश्वास रखता था। उसे प्रजा की सुख-दुख की कोई चिंता नहीं थी। जार ने जो अधिकारी तंत्र बनाई थी वह अस्थिर, जड़ और अकुशल थी। गलत सलाहकारों के कारण जार की स्वेच्छाचारिता बढ़ती गई और जनता की स्थिति बदतर होती चली गई।

II. कृषकों की दैयनीय स्थिति-

रूस में जनसंख्या का बहुसंख्यक भाम कृषकों का था लेकिन उनकी स्थिति अत्यंत दैयनीय थी। हालाँकि 1861 ई० में जार एलेक्जेंडर द्वितीय के द्वारा कृषि दासता समाप्त कर दी गई थी परंतु इससे किसानों की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ था। उनके खेत बहुत छोटे-छोटे थे जिन पर वे पुराने ढंग से खेती करते थे। पूँजी के अभाव तथा करों के बोझ से दबे होने के कारण उनके पास क्रांति के सिवाय कोई चारा नहीं था।

2. कार्ल मार्क्स के विषय में आप क्या जानते हैं?

उत्तर-

कार्ल मार्क्स का जन्म जर्मनी के राइन प्रांत के ट्रियर नगर में एक यहूदी परिवार में हुआ था। मार्क्स पर रूसो, मांटेस्क्यू एवं हीगले की विचारधारा का गहरा प्रभाव था। मार्क्स और एंगेल्स ने मिलकर 1848 में कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो अथवा साम्यवादी घोषणा-पत्र प्रकाशित किया। मार्क्स ने पूँजीवाद की घोर भर्त्सना की और श्रमिकों के हक की बात उठायी। उसने **'दुनिया के मजदूरों एक हों'** का नारा दिया। मार्क्स ने अपनी विख्यात पुस्तक **दास कैपिटल** का प्रकाशन 1867 में किया जिसे न "समाजवादियों की **बाइबिल**" कहा जाता है।

3.सर्वहारा वर्ग किसे कहते हैं?

उत्तर-

सर्वहारा वर्ग समाज का वैसा वर्ग है जिसमें किसान, मजदूर एवं आम गरीब लोग शामिल होते हैं। मार्क्स के अनुसार सर्वहारा वर्ग मज़दूरों तथा श्रमिकों का वर्ग था जो सुविधाविहिन वर्ग था जिसे कोई अधिकार प्राप्त नहीं था। यह पूँजीपतियों के द्वारा शोषित तथा उपेक्षित वर्ग था

4. साम्यवाद एक नयी आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था थी। कैसे?

उत्तर-

रूस में क्रांति के बाद नई सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था की स्थापना हुई। सामाजिक असमानता समाप्त कर दी गयी। वर्ग-विहीन समाज का निर्माण कर रूसी समाज का परंपरागत स्वरूप बदल दिया गया। पूँजीपति और जमींदार वर्ग को निकाल दिया गया। समाज में एक ही वर्ग रहा, जो साम्यवादी नागरिकों का था। काम के अधिकार को संवैधानिक अधिकार बना दिया गया। व्यक्तिगत संपत्ति समाप्त कर पूँजीपतियों का वर्चस्व समाप्त कर दिया गया। देश की सारी संपत्ति का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। इस प्रकार, एक वर्गविहीन और शोषणमुक्त सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था की स्थापना हुई। इस प्रकार हम कह सकते हैं की रूसी क्रांति के बाद साम्यवाद एक नई आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था. थी। का तख्ता पलट दिया।

5. लेनिन का संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर-

रूस में वोल्शेविक क्रांति का प्रणेता लेनिन था। उसका जन्म 10 अप्रैल, 1870 को बोल्गा नदी के किनारे स्थित सिमब्रस्क नामक गाँव में हुआ था। विद्यार्थी जीवन से ही वह मार्क्सवाद से प्रभावित होकर उसका कट्टर समर्थक बन गया। वह रूस की तत्कालीन स्थिति से upset था और प्रचलित व्यवस्था की समाप्ति चाहता था। वोल्एशेविक दल का नेता लेनिन ने ट्राटस्की के सहयोग से उसने करेन्सकी की सरकार का तख्ता पलट दिया। शासन संभालते ही उसेन अपने उद्देश्य और कार्यक्रम निश्चित किए। लेनिन का उद्देश्य रूस का नवनिर्माण करना था।